

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME  
(BDP PHILOSOPHY)**

**Term-End Examination**

**June, 2013**

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY**

**BPY-009 : CONTEMPORARY WESTERN  
PHILOSOPHY**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

- Note :* (i) Answer **all five** questions.  
(ii) All questions carry **equal** marks.  
(iii) Answer to question no. 1 and 2 should be in about **400 words each**.

1. Explain the basic tenets of Marxism and discuss the relevance of Marxism today. 20

**OR**

Why did Nietzsche declare the death of God ? Discuss Nietzsche's notion of 'will to power'. 20

2. What do you understand by 'ordinary language philosophy' ? Elucidate Gilbert Ryle's contribution to ordinary language philosophy. 20

**OR**

Discuss in detail verifiability theory of meaning. 20

3. Answer *any two* of the following in about 200 words each.
- (a) Describe the three stages of existence as discussed in the philosophy of Kierkegaard. 10
  - (b) Examine the notion of pure phenomenology in Husserl's philosophy. 10
  - (c) Discuss the Foucaultian notion of 'madness'. 10
  - (d) Explain psychoanalytical theory of Sigmund Freud. 10
4. Answer *any four* of the following in about 150 words each.
- (a) Explain Pierce's theory of Pragmatism. 5
  - (b) Discuss Wittgenstein's picture theory of meaning. 5
  - (c) Write a note on John Dewey's theory of instrumentalism. 5
  - (d) What do you understand by existentialism? 5
  - (e) What do you understand by 'metanarratives'? 5
  - (f) How does Ricoeur explain language as discourse? 5

5. Write short notes on *any five* of the following in about **100** words each.

- |                                |   |
|--------------------------------|---|
| (a) Critical theory            | 4 |
| (b) Private language           | 4 |
| (c) Sign                       | 4 |
| (d) De-construction            | 4 |
| (e) Epoche                     | 4 |
| (f) Fallibilism                | 4 |
| (g) German Idealism            | 4 |
| (h) Elimination of Metaphysics | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम  
( बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र )

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र  
बी.पी.वाई.-009 : समकालीन पाश्चात्य दर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- टिप्पणी : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।  
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।  
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. मार्क्सवाद के आधारभूत लक्षणों की व्याख्या कीजिए और वर्तमान 20  
समय में मार्क्सवाद की प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए।

अथवा

- नित्से ईश्वर की मृत्यु की घोषणा क्यों करते हैं? नित्से की 20  
'शक्ति की अकांक्षा' (will to power) अवधारणा की विवेचना  
कीजिए।

2. साधारण भाषा दर्शन से आप क्या समझते हैं? साधारण भाषा 20  
दर्शन में गिलबर्ट राइल के योगदान की व्याख्या कीजिए।

अथवा

- अर्थ के सत्यापनीयता सिद्धांत की विस्तार से विवेचना कीजिए। 20

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।
- (a) कर्कगार्ड के दर्शन में वर्णित अस्तित्व के तीन स्तरों का वर्णन कीजिए। 10
- (b) हुसरल के दर्शन में प्रस्तुत शुद्ध संवृति शास्त्र (Pure Phenomenology) की अवधारणा का परीक्षण कीजिए। 10
- (c) फॉक्सकॉल्टियन की 'पागलपन' (madness) की अवधारणा की विवेचना कीजिए। 10
- (d) सिगमण्ड फ्रायड के मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। 10
4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।
- (a) पियर्स के उपयोगितावादी सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। 5
- (b) विटगेन्सटीन के अर्थ के चित्रण सिद्धान्त की विवेचना कीजिए। 5
- (c) जॉन डेवी के उपकरणवाद के सिद्धांत पर टिप्पणी कीजिए। 5
- (d) अस्तित्ववाद से आप क्या समझते हैं? 5
- (e) अधिआख्यान (Metanarrative) से आप क्या समझते हैं? 5
- (f) रिकॉर कैसे भाषा की व्याख्यान (discourse) के रूप में व्याख्या करते हैं? 5

5. **किन्हीं पाँच प्रश्नों पर लगभग 100 में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।**

- |  |   |
|--|---|
| (a) विवेचनात्मक सिद्धांत (Critical theory) | 4 |
| (b) व्यक्तिगत भाषा                         | 4 |
| (c) चिन्ह/सूचक (Sign)                      | 4 |
| (d) विखण्डन                                | 4 |
| (e) असम्बंधन (Epoche)                      | 4 |
| (f) मिथ्यावाद (Fallibilism)                | 4 |
| (g) जर्मन प्रत्ययवाद                       | 4 |
| (h) तत्वमीमांसा का निरसन                   | 4 |
-